Date
06/05/20

B.Ed - IInd

Sub - Work Education, Gandhiji's Nai Talim & Community Engagement.

मानववाद

मानववाद का अर्थ ⇒ हिन्दी शब्द मानववाद अंग्रेजी भाषा के ह्यूमेनिज्म का हिन्दी रूपांतरण है जो लैटिन भाषा के ह्यूमो शब्द से जिसका अर्थ है - मानव। इस प्रकार इसका अर्थ मानव संबन्धी विचारधारा से है। यह दर्शन मानव के सम्मान, मानव की गरिमा और मानव की महत्ता में आस्था रखता है। मानव कल्याण के लिए जो भी तत्व उपयोगी है उन सबका संम्बन्ध मानववाद से है। मानववाद इस लोक में विश्वास करता है इससे परे कोई लोक नहीं है न ही स्वर्ग जैसी कोई जगह है जो भी है वह केवल मानववाद ही है।

परिभाषा ⇒ ब्रूबेकर के शब्दों में, "मानववाद मानव स्वभाव और मानवीय दृष्टिकोण पर बल देता है।"

लेमन के अनुसार, "समग्र मानवता के कल्याण के लिए मानववाद सेवा का दर्शन है इसका विश्वास है कि मानव का कल्याण तर्की बुद्धि तथा लोकतंत्र द्वारा संभव है।"

एनसाइक्लापीडिया ब्रिटेनिका, "मानववाद मस्तिष्क की अभिवृत्ति है जो मानव और उसकी शक्तियों, मामलों, लौकिक आकांक्षाओं तथा उसकी भलाई को प्राथमिक महत्व प्रदान करता है।"

मानववाद की विशेषताएँ ⇒ 1. मानववाद इस विश्व को किसी के द्वारा निर्मित नहीं मानता। उसके अनुसार इसको किसी ने नहीं बनाया बल्कि इसका अस्तित्व तो स्वतः ही है।

2. मानववाद के अनुसार यह विश्व भ्रम नहीं है अपितु सत्य है यह परिवर्तनशील है, निरंतर विकासशील है।

3. मानववाद जीवन का अलौकिक दृष्टिकोण स्वीकार करता है और शरीर तथा आत्मा के द्वैत वाले परम्परागत विचार को नहीं मानता।

Scanned with CamScanner

4. मानववाद के अनुसार मानव सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ अंग है और सृष्टि के विकास की प्रक्रिया का परिणाम है। मानव इस विश्व की सृजनात्मक शक्तियों का उच्चतम फल है।
5. मानववाद में मानव के महत्व पर अत्यधिक बल दिया गया है मानव को इस सृष्टि का सबसे सुन्दर जीवन बताया है।
6. मानववाद के अनुसार जीवन के मूल्यों का निर्माण मानवीय सम्बन्धों के फल स्वरूप होता है।
7. मानववाद वैज्ञानिक दृष्टिकोण में विश्वास करता है क्योंकि मानव के जीवन को विज्ञान ने ही सरल बनाया है।
8. मानववाद के अनुसार धर्म मानवीय जीवन पद्धति है जिसके नैतिक मूल्य मानवीय सम्बन्धों पर आधारित है। धर्म को मानव से अलग कोई बाह्य परिकल्पना नहीं हो सकती है।
9. मानववाद संस्कृति का पुनर्जागरण करने में विश्वास रखता है।
10. मानववाद के अनुसार सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् के आदर्श को प्राप्त करना मानव का लक्ष्य होना चाहिए।
11. मानववाद विश्व नागरिकता का समर्थक है। यह "वसुधैव कुटुम्बकम्" का समर्थक है।
12. मानववाद दर्शन, विज्ञान, कला और साहित्य के माध्यम से जीवन के नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की खोज करने का प्रयत्न करता है।

मानववाद एवं शिक्षा ⇒ मानववादियों के अनुसार मनुष्य एवं समाज में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा आदर्श समाज की स्थापना का साधन है, शिक्षा एक सर्जनात्मक प्रक्रिया है, शिक्षा पर मानवीय प्रेम की भावना उत्पन्न करने का उत्तरदायित्व है और शिक्षा द्वारा ही विश्वबन्धुत्व की भावना का विकास किया जा सकता है। अतः शिक्षा के लक्ष्य मानव की आवश्यकताओं और रुचियों के अनुरूप होनी चाहिए। मानववादी शिक्षा मानव की नियति निर्धारित करने वाली शिक्षा है जिसका लक्ष्य नियति को उच्चतर बनाना, मानव समाज को उत्तम जीवन जीने योग्य बनाना तथा मानवीय समस्याओं को समझकर उनके हितर हल के लिए मानव को तैयार करना है।

Scanned with CamScanner